भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में दिनांक 25 मई, 2017 को अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन

भारतीय खान ब्यूरो, (मुख्यालय) नागपुर में दिनांक 25 मई, 2017 को श्री रंजन सहाय, महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो की अध्यक्षता में 'नए परिदृश्य में खनिज संरक्षण, विकास एवं पर्यावरण की चुनौतियां' विषय पर अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री सी.एस. गुंडेवार, भूतपूर्व महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ । श्री सी.एस. गुंडेवार, ने अपने संबोधन में हिंदी में किए जा रहे तकनीकी सेमिनार की भूरि-भूरि प्रशंसा की । साथ ही इस प्रकार के तकनीकी सेमिनार को राष्ट्रीय स्तर पर भी किए जाने हेतु प्रेरित किया ।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री रंजन सहाय, महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने हिंदी से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों के प्रति बधाई दी तथा एक साथ दो-दो पत्रिकाओं के विमोचन हेतु भारतीय खान ब्यूरो, प्रकाशन विभाग को भी धन्यवाद दिया ।

इसके पूर्व डॉ.पी.के. जैन, मुख्य खनिज अर्थशास्त्री एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा रखी गई । इस कार्यक्रम में तकनीकी विषयों पर एक स्मारिका तथा भारतीय खान ब्यूरो की गृह पत्रिका, खान भारती का भी विमोचन किया गया ।

राजभाषा तकनीकी सेमिनार का कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया जिसमें पूर्वाह्न में 5 आलेख तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए तथा अपराह्न में 6 आलेख तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किए गए । प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्री एस. तियू, खान नियंत्रक (मध्य) ने की तथा श्रीमती वर्षा घरोटे, खनिज अधिकारी (आसूचना) ने रिपोर्टियर की भूमिका निभाई । द्वितीय सत्र की अध्यक्षता श्री एस.के. अधिकारी, मुख्य खनन भूविज्ञानी ने की तथा श्री जे.पी. मिश्रा, सहायक अनुसंधान अधिकारी ने रिपोर्टियर की भूमिका निभाई ।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री प्रमोद एस. सांगोले, उप-निदेशक (राजभाषा) ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्री जगदीश अहरवार, हिंदी आशुलिपिक द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी अनुभाग के श्री राजीव कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, श्री असीम कुमार, हिंदी अनुवादक, श्री किशोर पारधी, हिंदी अनुवादक, श्रीमती मिताली चटर्जी, हिंदी अनुवादक, श्री प्रदीप कुमार सिन्हा, हिंदी टंकक एवं श्री ए.के. नाल्हे, एम.टी.एस.का विशेष योगदान रहा ।